7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए :

(i) अनेकमन्यपदार्थे

(ii) द्विगुरेकवचनम्। स नपुंसकम्। उपसर्जनं पूर्वम्।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** समस्त पदों की सूत्र निर्देशपूर्वक रूपसिद्धि कीजिए :

(i) पितरौ (ii) नीलोत्पलम्

(iii) कण्ठेकालः (iv) द्वादशः।

9. समास की परिभाषा देते हुए समास के प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड—स **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

10. 'गद्यं कवीनां निकषं वदन्ति' इस सूक्ति की विशद व्याख्या शुकनासोपदेश के सन्दर्भ में कीजिए।

11. शुकनासोपदेश के आधार पर लक्ष्मी के दोषों का वर्णन कीजिए।

12. शिवराजविजयम के आधार पर भारत की दुर्दशा का वर्णन कीजिए।

13. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर निबन्ध लिखिए :

(i) विद्याधनं सर्वंधनप्रधानम्

(ii) परोपकारः

(iii) धर्मस्य तत्त्वं निहितं गुहायाम्

(iv) अस्माकं राष्ट्रियाः समस्याः

SA–04

June – Examination 2023

B.A. (Part II) Examination

SANSKRIT

(Gadya, Samas Prakaran Tatha Nibandh)

गद्य, समास प्रकरण तथा निबन्ध

Paper : SA-04

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) राजपुरुष पद का अलौकिक विग्रह कीजिए।

(ii) चार प्रकार की रीतियों के नाम लिखिए।

(iii) तत्पुरुष समास किसे कहते हैं ?

(iv) 'द्वियमुनम्' पद का समास विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए।

(v) हर्षचरितम में कुल कितने उच्छवास हैं ?

(vi) साकल्य अर्थ में अव्ययीभाव समास का उदाहरण दीजिए।

(vii) लक्ष्मी ने निष्ठुरता किससे ग्रहण की है ?

खण्ड—ब **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी गद्य की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) आत्मविडम्बना चानुजीविना जनेन क्रियमाणाम-भिनन्दन्ति। मनसा देवताध्यारोपणप्रतारणासम्भूत सम्भावनोपहताश्चान्तः प्रविष्टा- परभुजद्वयमिवात्सबाहुयुगलं सम्भावयन्ति। त्वगन्तरितृतीयलोचनं स्वललाट-माशङ्कन्ते। दर्शनप्रदान-मप्यनुग्रहं गणयन्ति। दृष्टिपातमप्युपकारपक्षेस्थापयन्ति। सम्भाषणमपि संविभागमध्ये कुर्वन्ति। आज्ञामपि वरप्रदानं मन्यन्ते। स्पर्शमपि पावनमाकलयन्ति।

अथवा

(ब) कदलीदलकुजायितस्य एतत्कुटीरस्य समन्तात् पुष्पवाटिका, पूर्वतः परम-पवित्र-पानीय परस्सहस्र-पुण्डरीक-पटल-परिलसितं पतत्रि-कुल-कूजित पूजित पयः पूरितं सर आसीत्। दक्षिणतश्चैकों निर्झर-झर्झर-ध्वनिध्वनित-दिगन्तरः फल-पटलास्वाद चपलित-चुपतंगपतंगकुलाक्रमणाधिक विनत-शाख-शाखि समूह व्याप्तः सुन्दरकन्दरः पर्वतखण्ड आसीत्।

3. निम्नलिखित में से किसी गद्य की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) तस्मिन् पर्वते आसीदेको महान्कन्दरः। तस्मिन्नेव महामुनिरेकः समाधौ तिष्ठति स्म। कदा स समाधिमङ्गीकृतवानिति कोऽपि न वेत्ति। ग्रामणी-ग्रामीण-ग्रामाः समागत्य मध्ये मध्ये तं पूजयन्ति प्रणमन्ति स्तुवन्ति च। तं केचित् कपिल इति, अपरे लोमश इति इतरे जैगीषव्य इति, अन्ये च मार्कण्डेय इति, विश्वसन्ति स्म। स एवायमधुना शिखरादवतरन् ब्रह्मचारिबटुभ्यामदर्शि।

अथवा

(ब) एवं विधयापि चानया दुराचारया कथमपि देववशेन परिगृहीता विक्लवा भवन्ति राजानः सर्वाविनयाधिष्ठानतां च गच्छन्ति। तथाहि-अभिषेकसमय एव चैतषां मग्लकलशजलैरिव प्रक्षाल्यते दाक्षिण्यम् अग्निकार्यधूमेनेव मलिनी क्रियते हृदयम् पुरोहितकुशाग्रसंमार्जिनीभिरिवापह्रियते क्षान्तिः, उष्णीषपट्ट-बन्धेनेवाच्छाद्यते जरागमनसारणम्, आतपत्रमण्डलेनेवापसार्यते परलोकदर्शनम् चामरपवनैरिवापह्रियते सः सत्यवादिता वेत्रदण्डैरिवोत्सार्यन्ते गुणाः, जयशब्दकलकलरवेरिव तिरस्क्रियन्ते साधुवादाः, ध्वजपटपल्लवैरिव परामृश्यते यशः।

4. शिवराजविजयम के आधार पर भास्कर वर्णन को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

5. शुकनासोपदेश की वर्तमान प्रासंगिकता को रेखांकित कीजिए।

6. 'कादम्बरी रसज्ञानामाहारोऽपि न रोचते' इस पंक्ति को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।